

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

विशेष

EXTRAORDINARY

81  
21/11

भाग II—खण्ड 3—उत्तराखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 365] नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 7, 1989/आषाढ़ 16, 1911

No 365] NEW DELHI, FRIDAY, JULY 7, 1989/ASADHA 16, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

विजय मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1989

सं. 205/89-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 686(अ) :—रेंट्रीय मरकार, सीमाशुल्क टरिक नियम, 1975  
(1975 का 51) के शीर्ष सं. 98.01 से ३५ मिनट (6) द्वारा प्रदद गणित का प्रयोग  
करने हुए यह विधान हा नाम पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार

के बित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 110/86-सीमाशुल्क, नारीश्व 17 फरवरी, 1986 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में क्रम सं. 18 और उसमें संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम सं. और प्रविष्टि अंतःस्थापित की जाएगी अर्थात् :—

“19. अनुसंधान और अनुसंधान विकास परियोजना, डिपाइन और मानक पंगठन, भारतीय रेल, लखनऊ।

[का सं. 346/96/89-टी प्रार.पू.]

प्रार. के. महाजन, अवर सचिव

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 7th July, 1989

NO. 205/89-CUSTOMS

G.S.R. 686 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-item (6) of clause No. 98.01 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 110/86-Customs, dated the 17th February, 1986, namely :—

In the said notification, after Sl. No. 18 and the entry relating thereto, the following Sl. No. and entry shall be inserted, namely :—

“(19) Research and Development Project of Research, Design, and Standards Organisation of the Indian Railways, Lucknow.”.

[F. No. 346/96/89-TRU]

R. K. MAHAJAN, Under Secy.